भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-17, अंक-07, वि. स. 2078, युगाब्द 5123 सितम्बर-2021 डिजिटल संस्करण

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेवशर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर,
लखनऊ, उ.प्र.-226020
दूरभाष: 0522-4001837,
0522-2789406
मो: 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
मो : 9811068375

आलोक: प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

संरक्षक सहयोग राशि : रु 5000/-

सदस्यता शुल्क : संरक्षक : रु. 5000/- आजीवन : रु. 2000/-

जन्म - 20 सितम्बर 1911 निधन - 2 जून 1990

पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

गायत्री के थे उपासक, साधक ऋषि गुरुदेव।
युग परिवर्तन के लिए, शक्ति स्वरूप त्रिदेव।।
दिव्य शिखा इव प्रखर हे! अमर दिव्य निष्काम।
वन्दनीय आचार्य श्री, हम तुमको करें प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक एवं आजीवन सदस्य
आपकी पत्रिका सेवा संवाद अब डिजिटल रूप में प्रकाशित करने का निर्णय न्यास द्वारा किया गया है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 26 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. सचल चिकित्सा सेवा - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. नेत्र चिकित्सा सेवा - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. विकलांग सहायता सेवा - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)- रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. छात्रवृत्ति- न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक : रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.) : रु 5,000, हाईस्कूल : रु 7,000, इण्टरमीडिएट : रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक : रु 10,000, परास्नातक : रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु : रु 15,000, इंजीनियरिंग : रु 18,000 और मेडिकल : रु 20,000।
6. सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) - रु. 1,200 की आजीवन सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. सेवा संवाद (मासिक) - रू. 2,000 की आजीवन एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना।
8. माधव सेवा आश्रम - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. विश्राम सदन - दिल्ली - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. अक्षय सेवा - दिल्ली में एम्स एवं दो अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
11. CSR फंड - यदि आपकी फर्म CSR में भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें। दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं :

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : BKID0006806)
  - भारतीय स्टेट बैंक, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - बैंक ऑफ इण्डिया, पटपड़गंज, नई दिल्ली - खाता सं. 605810110013350 (IFSC : BKID0006058)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

कहते हैं कि सूर्य-चन्द्रमा, ग्रह-नक्षत्र, पृथ्वी-आकाश, गंगा-यमुना तथा हिमालय आदि जो भी प्राकृतिक पदार्थ हमें लाभ पहुँचाते हैं, वे हमारे लिए परमात्मा के ही व्यक्त रूप हैं। हमारे लिए ये सभी पूज्य हैं। इसलिए सृष्टि के आदि काल से ही मानव एवं ऋषि-मुनि, सभी प्रकृति के निकट रहते रहे हैं। खुले आकाश में सोना, नदी में नहाना,प्रकृति के मध्य बैठकर संध्या वन्दन, जप-तप, यज्ञादि उपासना और वन-गमन आदि करना सभी को भला लगता है। संभवतः इसीलिए रवीन्द्रनाथ टैगोर अपने शान्ति निकेतन में वटवृक्ष के नीचे बैठकर पढ़ाते थे।

प्राणिमात्र में एकात्म भाव की स्थापना भारतीय दर्शन तथा धर्म का प्राण रहा है। तभी तो हमारी संस्कृति और परंपरा में आदिकाल से ही **'ये ग्राम्या ये अरण्या:'** कहकर सदैव ग्राम्य व जंगल दोनों केहित के लिए प्रार्थना होती रही है। सभी प्राणियों में एक ही ब्रह्म का अंश, एक ही आत्मा विद्यमान है, इस भाव से प्रेरित होकर सभी प्राणियों से प्रेम करना और उनका संरक्षण करना अपना कर्तव्य माना जाता है। इस प्रकार भारतीय दर्शन में प्राणियों के कल्याण की चर्चा विपुल मात्रा में उपलब्ध है।

पूज्यों, वृद्धों, माता-पिता तथा गुरु के प्रति कृतज्ञता हमारी परम्परा में पूजा के समान है | इसी पूजा भाव को विस्तृत करते हुए हमारी संस्कृति में वृद्धों की पूजा से लेकर राष्ट्रपूजा और गो -पूजा तक का महत्त्व है । गुरु का काम राष्ट्र भी करता है; क्योंकि सभी मानबिन्दुओं की थाती का नाम ही राष्ट्र है। इस प्रकार आधारभूत रूप से ये हमारे पूज्य तत्त्व हैं और इनके प्रति कृतज्ञ रहना हमारा कर्तव्य है।

शुचिता एवं पवित्रता,योग आधारित जीवन, सांसारिक, भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति के कार्यों में दत्तचित होना भी हमारे सांस्कृतिक मानबिन्दु हैं। हमारी राष्ट्रीय अस्मिता हमारे सांस्कृतिक मानबिन्दुओं पर निर्भर है। जब तक देश का सामान्य जन इन मानबिन्दुओं का अपने जीवन मे पालन करता रहता है तब तक हमारी अस्मिता बनी रहती है।

आज हमें अपने स्वाभिमान के साथ खड़ा होने के लिए तथा अपनी अस्मिता को बचाने के लिए इन मान बिन्दुओं को जीवन में लाना ही होगा। तभी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता टिकी रहेगी और यह हिन्दुराष्ट्र पुनः विश्वगुरु बनकर **'सर्वभूत हितेरता:'** एवं **'सर्वे भवन्तु सुखिनः'** की भावना के साथ विश्व कल्याण की अपनी भूमिका निभाने में समर्थ हो सकेगा।

सितम्बर माह में भारतभूमि पर जन्म लेने वाली अथवा दिवंगत हुई महान विभूतियों में दादाभाई नौरोजी, गुरुनानक देव, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, आचार्य विनोबाभावे, आचार्य श्रीराम शर्मा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अशोक सिंहल, विश्वेश्वरैया, सुब्रह्मण्यम भारती आदि ऐसे कवि, लेखक, विद्वान, इन्जीनियर, सेवाभावी, धर्मनिष्ठ, आध्यात्मिक चिंतक और मनीषियों का स्मरण, उनके प्रति आदर-सम्मान, श्रद्धान्जलि समर्पण तथा उनके आदर्शों का अनुकरण करना भी हमारा परम कर्तव्य है। अस्तु हम सभी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए देश, समाज और राष्ट्र हित में कुछ अच्छा कर सकें, इन्हीं सद्भावनाओं के साथ यह अंक आपको समर्पित है।

-शिव

।। देश है ।।

पहनाता ऊषागल-स्वर्णिम, माला प्रात दिनेश है।
खगकुल कलरव गान करे ज्यों मंत्रोच्चार विशेष है।।
तरू समीर सँग झूम चमर सम कहें सौम्य परिवेष है।
शुचि अबोध सरिसर निर्झर से, सज्जित भारत देश है।
जहाँ हिमालय उच्च शीश कर, खड़ा बिखेरे केश है।
सरि-समूह सर्वत्र सलिल से, हरता जन मन क्लेश है।
जहाँ जन्म दश बार धरा पर, घर आया विश्वेश है।
मंत्रोच्चार मुग्ध मन करता, वह 'अबोध' निज देश है।।

दयानन्द जड़िया "अबोध"
लखनऊ

महामना शिक्षण संस्थान

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित महामना शिक्षण संस्थान अर्जुनगंज लखनऊ में स्थित है। वर्ष 2019 से आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्रों को नि:शुल्क आवासीय सुविधायुक्त शिक्षा प्रदान की जा रही है। यहां इंजीनियरिंग एवं मेडिकल (आईआईटी जेईई, नीट पीएमटी) प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी 'रूबिक्सरोस्ट्रम कोचिंग इंस्टिट्यूट' के संस्थापक इंजीनियर आदित्य कुमार एवं उनके विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा नि:शुल्क कराई जा रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में महामना शिक्षण संस्थान की आधारशिला 19 जनवरी 2019 को रखी गई थी। इसमें बच्चों के चयन की प्रक्रिया दो स्तरों में लिखित परीक्षा, साक्षात्कार एवं उनके भौतिक सत्यापन जिसमें आर्थिक आधार का विशेष रूप से ध्यान देते हुए किया जाता है, जिससे कि ग्रामीण अंचल के कमजोर आय वर्ग के मेधावी बच्चों का चयन हो सके। इसी प्रकार पिछले वर्ष से 15 बालिकाओं के लिए भी ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था की गई है। उनका चयन भी बालकों की चयन प्रक्रिया द्वारा ही हुआ था। ऑनलाइन कोचिंग के लिए उन्हें स्मार्ट फोन उपलब्ध करवाए गए हैं और मासिक छात्रवृत्ति देकर उनकी पढ़ाई बिना बाधा के चल सके ऐसा संस्थान द्वारा सुनिश्चित किया गया है | कोरोना काल में उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी विभिन्न प्रयोग संस्थान द्वारा किए गए हैं |

बालकों का प्रकल्प 27 जुलाई 2020 को अपने नए निर्मित भवन में स्थानांतरित हो गया था। जल्द ही बालिकाओं के लिए भी भवन निर्माण प्रारम्भ करने की योजना है और इसके लिए भूमि का चयन भी हो गया है।

उपलब्धि

महामना शिक्षण संस्थान के सचिव श्री रंजीव तिवारी जी ने बताया कि प्रथम बैच जिसने इस वर्ष 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है उनमें इंजीनियरिंग वर्ग के 7 में से 5 छात्रों ने जेईई की परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया है। 2 छात्रों का 95% परसेंटाइल है, वहीं 3 छात्रों का 85% परसेंटाइल है। आशा है कि 2 छात्रों को आईआईटी या एनआईटी में व शेष 3 छात्रों को राजकीय इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश मिल सकेगा। संस्थान छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है व सभी सहयोगकर्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित करता है।

इन सभी कार्यों को निर्बाध गति से चलाने में संस्थान से जुड़े हुए समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों का विशेष रूप से योगदान है जो इस पूरी संचालन प्रक्रिया में अपना तन-मन-धन से सहयोग करते रहते हैं। यह शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रकार का सामाजिक प्रयोग है जो भाऊराव देवरस सेवा न्यास के माध्यम से महामना शिक्षण संस्थान द्वारा प्रारंभ किया गया है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह कार्य और अधिक गति से आगे बढ़ेगा और इसके कार्य क्षेत्र का भी विस्तार होगा |

अक्षय सेवा प्रकल्प - भाऊराव देवरस सेवा न्यास

27 अप्रैल 2017 को एक 4-5 दिनों के छोटे से लक्ष्य को लेकर लगाया गया पौधा आज लगभग साढ़े चार वर्षों बाद एक वृक्ष का रूप लेने को अग्रसर है | प्रतिदिन लगभग 2000 लोगों को भोजन वितरण करते हुए और कोरोना काल में विशेष अभियान चलाकर अब तक 37 लाख के आंकड़े को पार करते हुए न्यास के सभी कार्यकर्ता अपने को गौरवान्वित अनुभव करते हैं| ईश्वरीय कार्य होने के कारण यह शुभ कार्य बिना व्यवधान के चल रहा है|

31 अगस्त को मूसलाधार बारिश के बीच भी अपने कार्यकर्ता डटे रहे और भोजन वितरण किया |

परम सौभाग्य से भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित अक्षय सेवा प्रकल्प के अंतर्गत एम्स दिल्ली के निकट भोजन वितरण के कार्यक्रम में 28 अगस्त को दिल्ली प्रान्त के कार्यवाह श्री भारत जी का आगमन हुआ | उनके साथ उनकी पत्नी और दिल्ली में सुप्रीमकोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता और प्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमति मोनिका अरोड़ा जी भी उपस्थित थीं | साथ ही श्री भारत जी के माता पिता और पुत्र भी उपस्थित थे | न्यास के कोषाध्यक्ष और अक्षय सेवा प्रकल्प के संयोजक श्री रामवतार किला जी भी इस अवसर पर उपस्थित थे और उन्होंने श्री भारत जी और श्रीमती मोनिका अरोड़ा जी का स्वागत भी किया| श्रीमती मोनिका अरोड़ा जी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर श्री भारत जी ने अपने हाथों से भोजन वितरण भी किया| न्यास श्री भारत जी और श्रीमति मोनिका जी का आभार व्यक्त करता है कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय हमारे प्रकल्प के लिए निकाला और हमारा उत्साहवर्धन किया |

दिल्ली में 3 स्थानों पर वितरण से आगे बढ़ते हुए जल्द ही लखनऊ में भी ऐसी ही व्यवस्था शुरू करने की योजना साकार लेने रूप लेने वाली है| आप सभी के आर्थिक और मानसिक सहयोग से न्यास इस कार्य को और अधिक गति से अन्य स्थानों पर भी शुरू कर सकेगा |

समर्थ भारत

अगस्त माह में किए गए कार्य

समर्थ भारत ब्रह्मपुरी नगर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन समारोह

दिल्ली प्रान्त के यमुना विहार विभाग के माताजी वनीबाई केंद्र, एस टी नंबर-30, जय प्रकाश नगर, बिट्टू चौक, ब्रह्मपुरी, नई दिल्ली-110053 में समर्थ भारत प्रशिक्षण केंद्र का दिनांक 03 अगस्त 2021 को उद्घाटन हुआ। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन दिल्ली प्रान्त सेवा भारती के प्रांत अध्यक्ष माननीय रमेश अग्रवाल जी ने किया। कार्यक्रम में समर्थ भारत और सेवा भारती के कार्यकर्ताओं के साथ साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे | बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी भी वहाँ पर होने वाले प्रशिक्षण की जानकारी लेने के लिए आए थे । इस केंद्र में हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

समर्थ भारत ब्रह्मपुरी नगर प्रशिक्षण केंद्र में नर्सिंग असिस्टेंट कोर्स

समर्थ भारत द्वारा ब्रम्हपुरी केंद्र पर एक सप्ताह का नर्सिंग असिस्टेंट का पाठ्यक्रम संचालित किया गया। 26 जुलाई से शुरू हुए इस कोर्स में 35 लड़कियों ने प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को नर्सिंग कोर्स की प्रारंभिक जानकारी, बेसिक ह्यूमन साइंस (एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, पैथॉलाजी), हेल्थ नर्सिंग, कम्युनिटी हेल्थ, फर्स्ट एड, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी गई। कोर्स पूरा करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को सेवा भारती दिल्ली प्रान्त के अध्यक्ष श्री रमेश अग्रवाल जी के हाथों प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

समर्थ भारत रघुबीर नगर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन समारोह

दिल्ली प्रान्त के केशवपुरम विभाग के श्रीराम मंदिर, बाबा रामदेव मार्ग, रघुबीर नगर, नई दिल्ली-110027 में समर्थ भारत प्रशिक्षण केंद्र का दिनांक 05 अगस्त 2021 को उद्घाटन हुआ। प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन केशव सहकारी बैंक, दिल्ली के अध्यक्ष और समर्थ शिक्षा समिति, वेस्टजोन, दिल्ली के अध्यक्ष माननीय विनीत भाटिया जी ने किया। साथ में समर्थ भारत और सेवा भारती के कार्यकर्ता और समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। लगभग 40 प्रशिक्षार्थी भी वहां उपस्थित थे। इस केंद्र में हेयर स्टाइलिस्ट और ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

पावन स्मृति

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया, अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन अर्पित हैं।

सितम्बर

दिनांक	दिवस	महापुरूष/घटना का नाम
4 सितम्बर	जन्म-दिवस	दादा भाई नौरोजी, स्मरणीय व्यक्तित्व
5 सितम्बर	जन्म-दिवस	डॉ. राधाकृष्णन, भूतपूर्व राष्ट्रपति - शिक्षाविद्
7 सितम्बर	पुण्य-तिथि	गुरु नानकदेव, सिख पन्थ के प्रवर्तक
9 सितम्बर	जन्म-दिवस	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, युग प्रवर्तक कवि-लेखक
10 सितम्बर	बलिदान-दिवस	बाघा जतिन (ज्योतिन्द्रनाथ मुखर्जी) क्रान्तिकारी
11 सितम्बर	जन्म-दिवस	विनोबा भावे, भूदान यज्ञ के प्रणेता
12 सितम्बर	पुण्य-तिथि	सुब्रह्मण्यम भारती, तमिल काव्य में राष्ट्रवाद के प्रणेता
15 सितम्बर	जन्म-तिथि	विश्वेश्वरैया - आधुनिक विश्वकर्मा
17 सितम्बर	जन्म-तिथि	हनुमान प्रसाद पोद्दार - धर्मग्रन्थों के प्रसारक
19 सितम्बर	जन्म-दिवस	स्वामी सत्यमित्रानन्द, संस्थापक - भारत माता मन्दिर
20 सितम्बर	जन्म-तिथि	आचार्य श्रीराम शर्मा, युग निर्माण योजना के जनक
21 सितम्बर	पुण्य-तिथि	मा. मोरोपन्त पिंगले, गो-चिन्तक
24 सितम्बर	जन्म-तिथि	भीकाजी कामा, तिरंगे के प्रथम निर्माता
25 सितम्बर	जन्म-तिथि	पं. दीनदयाल उपाध्याय, एकात्म मानववाद के प्रणेता
27 सितम्बर	जन्म-तिथि	माँ अमृतानन्दमयी, धर्म जागरण उपदेशिका
27 सितम्बर	जन्म-तिथि	अशोक सिंहल, हिन्दू जागरण के सूत्रधार
28 सितम्बर	जन्म-तिथि	लता मंगेशकर, स्वर साम्राज्ञी

पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य

पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य का जन्म आश्विन कृष्ण त्रयोदशी विक्रमी संवत् 1967 (20 सितम्बर 1911) को उत्तर प्रदेश के आगरा जनपद के आँवलखेड़ा ग्राम में हुआ था। उनका बाल्यकाल एवं किशोरावस्था ग्रामीण परिसर में ही बीता। राज घराने के पुरोहित, विद्वान पिता पं. रूपकिशोर शर्मा से सद्संस्कार एवं आध्यात्मिक चेतना उन्हें विरासत में प्राप्त हुई थी, जो कालांतर में जाग्रत हुई| बाल्यकाल से ही उनका अंतःकरण मानव मात्र की पीड़ा के लिए सतत् विचलित रहता था।

उनके मन में जाति-पाति का कोई भेद-भाव नहीं था। जातिगत मूढ़ता भरी मान्यता से ग्रसित तत्कालीन भारत के ग्रामीण परिसर में अछूत वृद्ध महिला की, जिसे कुष्ठ रोग हो गया था, उसी के टोले में जाकर सेवा कर अपने घरवालों का विरोध तो मोल ले लिया पर अपना व्रत नहीं छोड़ा। उन्होंने किशोरावस्था में ही समाज सुधार की रचनात्मक प्रवृत्तियाँ चलाना आरंभ कर दी थीं। हाट-बाजारों में जाकर स्वास्थ्य-शिक्षा प्रधान परिपत्र बाँटना, पशुधन को कैसे सुरक्षित रखें, तथा स्वावलम्बी कैसे बनें, जैसे विषयों पर छोटे-छोटे पैम्पलेट्स लिखने और हाथ की प्रेस से छपवाने के लिए उन्हें किसी शिक्षा की आवश्यकता नहीं थी। वे चाहते थे कि जनमानस आत्मावलम्बी बने और उनमें राष्ट्र के प्रति स्वाभिमान जागे। उन्होंने नारी शक्ति व बेरोजगार युवाओं के लिए गाँव में ही एक हथकरघा स्थापित किया व उसके द्वारा हाथ से कैसे कपड़ा बुना जाये व अपने पैरों पर कैसे खड़ा हुआ जाए - यह सिखाया। महामना मदनमोहन मालवीय जी ने उन्हें काशी में गायत्री मंत्र की दीक्षा दी थी। इसके बाद वे अपने घर की पूजास्थली में नियमित उपासना करते रहते थे। कहते हैं कि पंद्रह वर्ष की आयु में वसन्त पंचमी की वेला में सन् 1926 में उनकी गुरुसत्ता का आगमन हुआ।

पंडित श्रीराम आचार्य जी कुछ प्रमुख रचनाएँ :

- अध्यात्म एवं संस्कृति
- गायत्री और यज्ञ
- विचार क्रांति
- व्यक्ति निर्माण
- परिवार निर्माण
- समाज निर्माण
- युग निर्माण
- वैज्ञानिक अध्यात्मवाद
- बाल निर्माण
- वेद पुराण एवम् दर्शन
- प्रेरणाप्रद कथा-गाथाएँ
- स्वास्थ्य और आयुर्वेद

अपने शुद्ध अन्तःकरण में मानव मात्र के प्रति सद्भावना और प्रेम लिए हुए विश्व के कल्याण की कामना से जन-जन को जागृत करने, तथा युग-परिवर्तन की दिशा में कार्य में लग गए। उन्होंने युग निर्माण के मिशन को गायत्री परिवार व प्रज्ञा अभियान के माध्यम से आगे बढ़ाया। वे कहते थे कि अपने को अधिक पवित्र और प्रखर बनाने की तपश्चर्या में जुट जाना तथा जौ की रोटी व छाछ पर निर्वाह कर आत्मानुशासन सीखना, इसी से वह सामर्थ्य विकसित होगा जो विशुद्धतः परमार्थ प्रयोजनों में नियोजित होगा | यद्यपि आज पं. श्रीराम शर्मा जी का भौतिक शरीर विद्यमान नहीं है तथापि अपने प्रवचनों और साहित्य के माध्यम से वे निरन्तर मार्गदर्शन कर रहे हैं ।

मा. कल्याण सिंह जी के प्रति श्रद्धांजलि

राम जन्मभूमि आन्दोलन का जब भी इतिहास लिखा जाएगा तब उसके प्रमुख कर्णधारों में एक नाम होगा श्री कल्याण सिंह | पूर्व में किसी मुख्यमंत्री ने रामभक्तों पर डंडे गोलियां चलवाईं थीं परन्तु वहीं एक मुख्यमंत्री कल्याण सिंह थे जिन्होंने रामभक्तों द्वारा ढांचा ढहाये जाने के बाद उन पर कोई कार्यवाही करने के स्थान पर अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी का त्याग करना उचित समझा और वे रामभक्तों के लिए एक नायक के रूप में स्वयं को प्रस्थापित कर गए |

कल्याण सिंह जी का जन्म 5 जनवरी 1932 को अलीगढ जिला में एक लोधी समाज के परिवार में हुआ | स्कूली जीवन में ही आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आ गए जिस कारण राष्ट्र प्रेम का भाव आपमें बचपन में ही घर कर गया | 35 वर्ष की आयु में ही आपने उत्तरप्रदेश विधान सभा चुनाव में भाग लिया और विजय प्राप्त की | तत्पश्चात 2002 तक 10 विधानसभा चुनावों में भाग लेकर और उनमें 9 बार जीतकर आप ने जनता के बीच अपनी लोकप्रियता का डंका बजाया | प्रसिद्ध राम रथ यात्रा में सक्रिय भाग लेते हुए जून 1991 में आप उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए परन्तु एक वर्ष पश्चात ही रामजन्म भूमि आन्दोलन के लिए आपने इस पद का त्याग भी कर दिया | बाद में आप लोकसभा सांसद भी बने | सन 2014 से 2019 तक आप राजस्थान के राज्यपाल भी रहे |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के साथ भी आपका भावनात्मक जुड़ाव रहा | वर्ष 1997 में आयोजित तृतीय युवा साहित्यकार सम्मान समारोह में आप अध्यक्ष के नाते से उपस्थित रहे और अपना आशीर्वाद और मार्गदर्शन भी दिया | माधव सेवा आश्रम विश्राम सदन में प्रथम तल पर एकल आवास कक्ष का लोकार्पण 18 जनवरी 2005 को आप के और पूज्य स्वामी मुक्तिनाथानंद जी महाराज के करकमलों द्वारा किया गया | इसके अतिरिक्त भी आप न्यास के वरिष्ठ सदस्य माननीय भाई जी के संपर्क में रहते हुए अपना सहयोग न्यास के कार्यों के लिए करते रहे |

इसी वर्ष 3 जुलाई को गंभीर रोग के कारण आपको अस्पताल में भर्ती होना पड़ा | लम्बे संघर्ष के बाद अंततः 21 अगस्त को आप ने अंतिम सांस ली | उनके जाने से एक रिक्तता उत्पन्न हुई है जिसे भरना असंभव लगता है | राम जन्म भूमि आन्दोलन से जुड़े कार्यकर्ता भी उन्हें कभी नहीं भूल पायेंगे | उनके जाने से न्यास ने भी अपना एक शुभचिंतक खो दिया है |

भाऊराव देवरस सेवा न्यास इस दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करता है | ईश्वर से प्रार्थना है कि वो उन्हें अपने चरणों में स्थान दे और परिवार को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे |

ॐ शान्ति शान्ति शान्ति

विभिन्न विश्राम सदनों में अगस्त - 2021 की उपस्थिति

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU, लखनऊ	विश्राम सदन, दिल्ली	IGIMS, पटना
1	जम्मू कश्मीर			7	
2	हिमाचल प्रदेश			2	
3	पंजाब		2	1	
4	हरियाणा			18	
5	दिल्ली	2	4	8	1
6	उत्तराखंड	36	2	23	
7	उत्तर प्रदेश	1554	705	215	1
8	बिहार	663	39	271	1270
9	झारखण्ड	22		14	11
10	सिक्किम				
11	नागालैंड				
12	असम			5	
13	मणिपुर /मिजोरम				
14	अरुणाचल प्रदेश				
15	त्रिपुरा			2	
16	मेघालय				
17	प. बंगाल	6		14	
18	ओडिशा/अंदमान			9	
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना			1	
20	तमिलनाडु /पुदुच्चेरी				
21	कर्नाटक				
22	केरल				
23	महाराष्ट्र /गोवा		3	2	
24	मध्य प्रदेश	50		58	
25	छत्तीसगढ़		5		1
26	गुजरात				
27	राजस्थान		2	45	
28	अन्य	16			
	पड़ोसी देश				
29	नेपाल				
30	बांग्लादेश				
31	अन्य देश				
	योग (इस मास)	**2349**	**762**	**695**	**1284**
	योग (अप्रैल 2021 से)	**8710**	**1919**	**1486**	**3183**

RNI No. UPHIN/2005/15853
सेवा संवाद सितम्बर 2021
डाक पंजीकरण क्र. SSP/LW/NP-136/2019-21
प्रेषित डाकघर– चारबाग, लखनऊ
कैलेण्डर वर्ष 2019–21
डिजिटल संस्करण

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

	अगस्त	योग - अप्रैल 2021 से
सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केन्द्र (सेवा समर्पण संस्थान - बिन्दौवा)	79	141
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केन्द्र, निराला नगर	77	77
एलोपेथिक	260	311
होम्योपैथिक	263	825
रूग्ण सेवा केन्द्र, माधव सेवा आश्रम - होम्योपैथ	225	1030
कुल लाभान्वित रोगी	904	2384

देवड़े नेत्र चिकित्सालय

अगस्त 2021 में दी गई सेवाएँ

	अगस्त	योग - अप्रैल 2021 से
नेत्र परीक्षण	405	1014
चश्मा वितरण	267	677
मोतियाबिंद ऑपरेशन	0	0
पैथोलॉजी	0	7

आलोक : नेत्र एवं पैथोलॉजी जांच केवल 20 रूपए के पंजीकरण शुल्क में उपलब्ध है।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	सम्पर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	श्रीमती अर्चना दीक्षित	9821483861
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
विश्राम सदन के.जी.एम.यू. लखनऊ	श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल	9415003111
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
सेवा संवाद (मासिक) लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्द्धवार्शिक) लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
एम्स पावर ग्रिड विश्राम सदन, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र	श्री गौरव गर्ग	9918532007
विश्राम सदन, IGIMS पटना (बिहार)	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457